ROLE OF BOLLYWOOD IN WOMEN EMPOWERMENT

Academic Session: 2022-23

A Dissertation Report

For the partial fulfilment

Of Paper IV of

M.A.(J.M.C.) IV SEMESTER

Research Guide:

Dr. Shivkripa Mishra

Assistant Professor

Submitted By:

Vikas Patel

Roll no. 21008127

Enrollment no-
GGV/21/00515

Department of Journalism & Mass Communication

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.)

विभागाध्यक्ष
H.O.D
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
Deptt. of Journalism & Mass Communication
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
बिलासपुर (छ.ग.)
Bilaspur (C.G.)

Scanned with OKEN Scanner

प्रमाणपत्र

पत्रकारिता और जनसंचार विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

यह प्रमाणित किया जाता है कि विकास पटेल एम ए (जे, एम , सी) चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र है ! इन्होंने अपना लघु शोध प्रबंध "महिला सशक्तिकरण में बॉलीवुड की भूमिका" विषय पर पूर्ण किया ।

डॉ. धीरज शुक्ला
विभागाध्यक्ष
पत्रकारिता और जनसंचार
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

डॉ. शिवकृपा मिश्र
सहायक प्रोफेसर
और पर्यवेक्षक

Scanned with OKEN Scanner

1. प्रस्तावन

बॉलीवुड का अवलोकन और भारतीय समाज पर इसका प्रभाव।

बॉलीवुड, भारत के मुंबई (जिसे पहले बॉम्बे के नाम से जाना जाता था) में स्थित हिंदी भाषा के फिल्म उद्योग को संदर्भित करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला अनौपचारिक शब्द, न केवल देश के भीतर एक प्रमुख सांस्कृतिक शक्ति है, बल्कि पूरे भारतीय समाज पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। एक शताब्दी से अधिक के इतिहास के साथ, बॉलीवुड सामाजिक ताने-बाने का एक अभिन्न अंग बन गया है, लोकप्रिय संस्कृति को आकार दे रहा है, दृष्टिकोण को प्रभावित कर रहा है और भारतीय समाज की विविधता को प्रतिबिंबित कर रहा है। इस अवलोकन में, हम बॉलीवुड के विकास का पता लगाएंगे और भारतीय समाज के विभिन्न पहलुओं पर इसके बहुमुखी प्रभाव की जांच करेंगे।

1. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

बॉलीवुड की उत्पत्ति 20वीं सदी की शुरुआत में देखी जा सकती है जब पहली मूक भारतीय फिल्मों का निर्माण किया गया था। 1930 और 40 के दशक में ध्वनि और रंग को शामिल करते हुए उद्योग ने तेजी से वृद्धि और विकास का अनुभव किया। इस अवधि के दौरान, बॉलीवुड ने ऐसी फ़िल्में बनाईं जिनमें ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से आज़ादी के संघर्ष को दर्शाया गया, जिससे भारतीय राष्ट्रवादी आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई।

2. सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व और विविधता:

बॉलीवुड फिल्में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करती हैं, जो देश के विभिन्न क्षेत्रों की परंपराओं, भाषाओं, संगीत और नृत्य रूपों को दर्शाती हैं। उद्योग विभिन्न राज्यों और जातियों के तत्वों को शामिल करके एक अखिल भारतीय पहचान बनाने में सफल रहा है, जिससे विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा मिलता है। बॉलीवुड की लोकप्रियता भारत की सीमाओं से परे तक फैली हुई है, जो इसे देश के लिए एक वैश्विक सांस्कृतिक राजदूत बनाती है।

Scanned with OKEN Scanner